



D.O. Krishan Thakur

25 Jul 2000

11:40 PM

Simla

Model: Web-L1

Order No: 119640401

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 25/07/2000
दिन _____: मंगलवार
जन्म समय _____: 23:40:00 घंटे
इष्ट _____: 45:15:01 घटी
स्थान _____: Simla
राज्य _____: Himachal Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 31:06:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:10:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:21:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 23:18:40 घंटे
वेलान्तर _____: -00:06:30 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:33:42 घंटे
सूर्योदय _____: 05:33:59 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:21:13 घंटे
दिनमान _____: 13:47:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 09:13:17 कर्क
लग्न के अंश _____: 09:34:33 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मेष - मंगल
राशि-स्वामी _____: मेष - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: भरणी - 4
नक्षत्र स्वामी _____: शुक्र
योग _____: गण्ड
करण _____: गर
गण _____: मनुष्य
योनि _____: गज
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: चतुष्पाद
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: पूर्व
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: लो-लोचन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: सिंह

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1922	श्रावण	3
पंजाबी	संवत : 2057	श्रावण	10
बंगाली	सन् : 1407	श्रावण	9
तमिल	संवत : 2057	आदी	10
केरल	कोल्लम : 1175	कर्कदम	10
नेपाली	संवत : 2057	श्रावण	10
चैत्रादि	संवत : 2057	श्रावण	कृष्ण 9
कार्तिकादि	संवत : 2057	आषाढ़	कृष्ण 9

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 9
तिथि समाप्ति काल _____ : 26:30:23
जन्म तिथि _____ : 9
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 25:21:23 घंटे
जन्म योग _____ : भरणी
सूर्योदय कालीन योग _____ : शूल
योग समाप्ति काल _____ : 15:42:10 घंटे
जन्म योग _____ : गण्ड
सूर्योदय कालीन करण _____ : तैत्ति
करण समाप्ति काल _____ : 15:20:40 घंटे
जन्म करण _____ : गर
भयात _____ : 54:00:16
भभोग _____ : 58:13:42
भोग्य दशा काल _____ : शुक्र 1 वर्ष 5 मा 19 दि

घात चक्र

मास _____ : कार्तिक
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : रविवार
नक्षत्र _____ : मघा
योग _____ : विष्कुम्भ
करण _____ : बव
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : सिंह
लग्न _____ : मेष
सूर्य _____ : कर्क
चन्द्र _____ : मेष
मंगल _____ : सिंह
बुध _____ : वृष
गुरु _____ : कन्या
शुक्र _____ : तुला
शनि _____ : मिथुन
राहु _____ : वृश्चिक

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

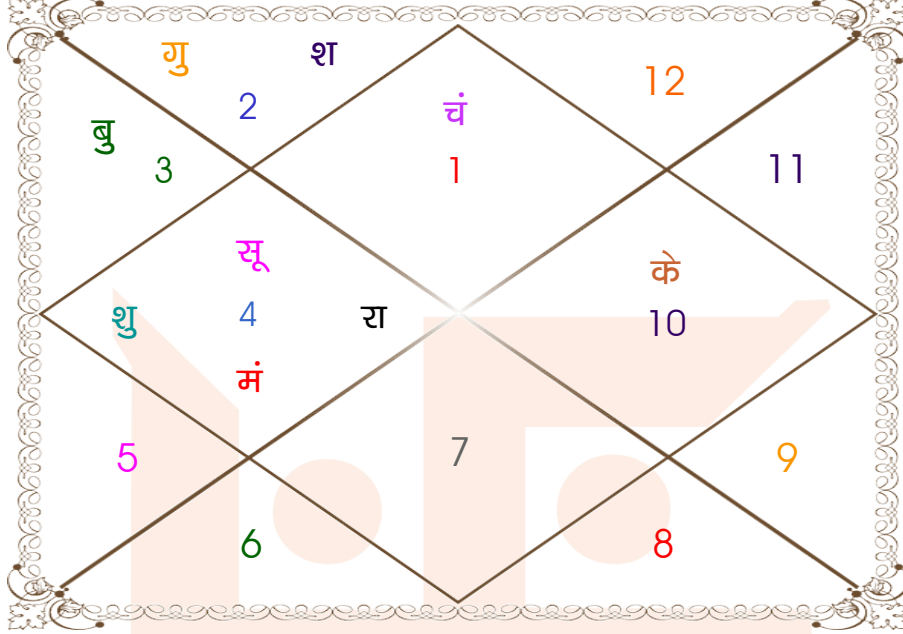
VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

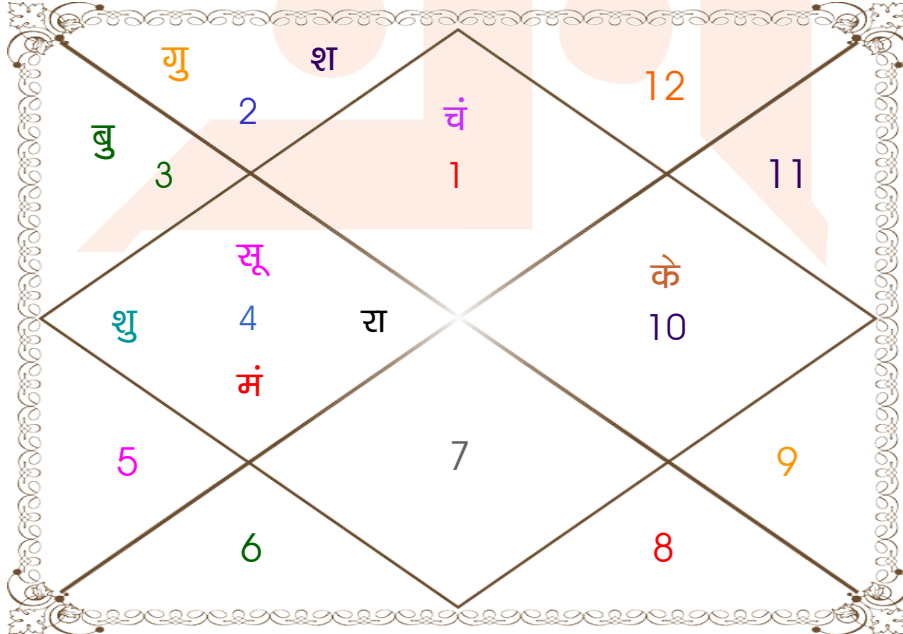
devprakash776@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली



चन्द्र कुंडली



PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

	चं ल	श गु	बु
			शु सू मं रा
के			

लग्न कुण्डली

श गु	चं ल	
बु		
सू शु	मं रा	के

विंशोत्तरी
शुक्र 1वर्ष 5मा 19दि
शुक्र

25/07/2000

14/01/2102

शुक्र	13/01/2002
सूर्य	14/01/2008
चन्द्र	13/01/2018
मंगल	13/01/2025
राहु	14/01/2043
गुरु	14/01/2059
शनि	13/01/2078
बुध	14/01/2095
केतु	14/01/2102

योगिनी
भद्रिका 0वर्ष 4मा 12दि
धान्या

07/12/2024

07/12/2027

धान्या	08/03/2025
भामरी	08/07/2025
भद्रिका	07/12/2025
उल्का	08/06/2026
सिद्धा	07/01/2027
संकटा	07/09/2027
मंगला	08/10/2027
पिंगला	07/12/2027

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

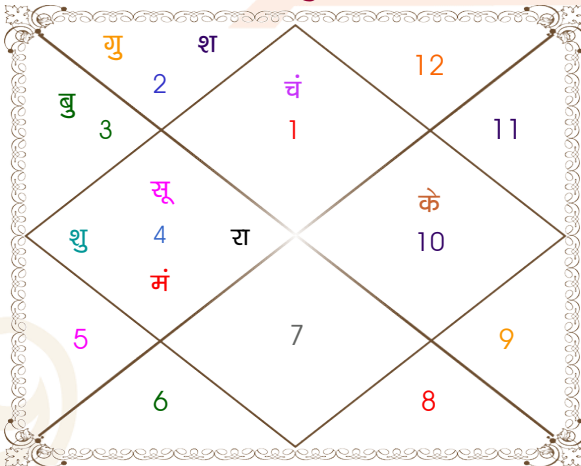
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मेष	09:34:33	---	--	--	--	नेक
सूर्य	कर्क	09:13:17	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा
चन्द्र	मेष	25:41:13	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	कर्क	02:02:59	नीच राशि	--	--	--	नेक
बुध	मिथुन	19:41:38	स्वराशि	--	हाँ	--	मन्दा
गुरु	वृष	11:02:08	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	कर्क	21:24:46	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शनि	वृष	05:05:30	मित्र राशि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	कर्क	00:43:31	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा
केतु	मकर	00:43:31	शत्रु राशि	--	--	--	नेक

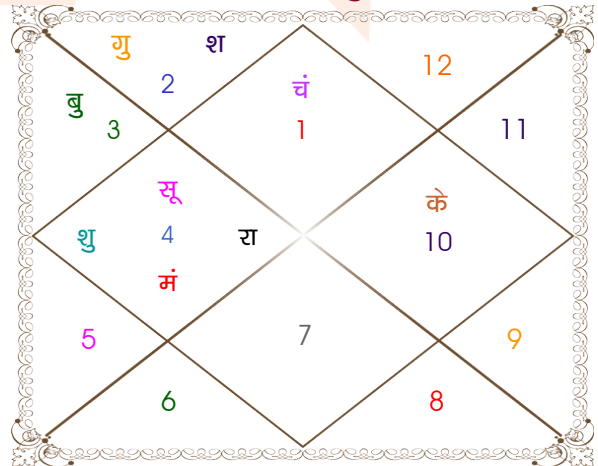
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	--	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	--	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	हाँ	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

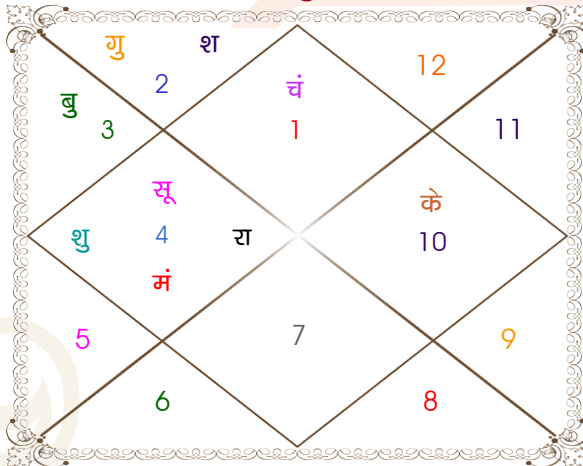
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

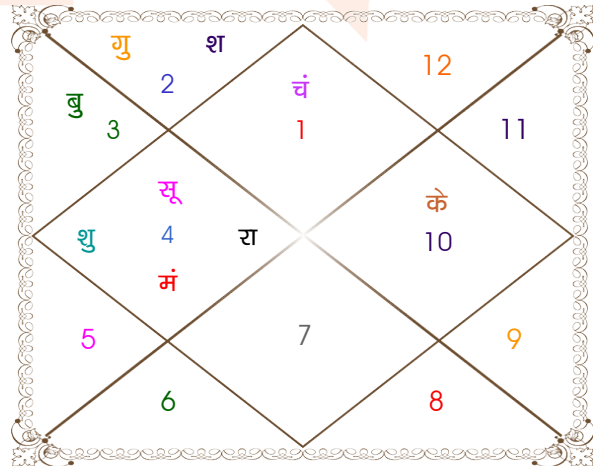
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	दूसरों के लिए जोड़-जोड़ कर मरे	--
चंद्र	माता के जीवित होने तक दौलत, खालिस दूध	--
मंगल	जलती आग, बदी का सरदार।	राशि
बुध	थूकने वाला, कोढ़ी मंदा।	--
गुरु	जगतगुरु।	--
शुक्र	खुशकी का सफर।	राशि
शनि	गुरु शरण।	--
राहु	धर्मी	--
केतु	चुपचाप अपने रास्ते चलने वाला मौकाबाज।	राशि

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 25/07/2000 26/07/2006	राहु 6 वर्ष 26/07/2006 25/07/2012	केतु 3 वर्ष 25/07/2012 26/07/2015	गुरु 6 वर्ष 26/07/2015 26/07/2021	सूर्य 2 वर्ष 26/07/2021 26/07/2023
राहु 26/07/2002 बुध 25/07/2004 शनि 26/07/2006	मंगल 25/07/2008 केतु 26/07/2010 राहु 25/07/2012	शनि 26/07/2013 राहु 26/07/2014 केतु 26/07/2015	केतु 26/07/2017 गुरु 26/07/2019 सूर्य 26/07/2021	सूर्य 26/03/2022 चंद्र 25/11/2022 मंगल 26/07/2023
चंद्र 1 वर्ष 26/07/2023 25/07/2024	शुक्र 3 वर्ष 25/07/2024 26/07/2027	मंगल 6 वर्ष 26/07/2027 26/07/2033	बुध 2 वर्ष 26/07/2033 26/07/2035	शनि 6 वर्ष 26/07/2035 26/07/2041
गुरु 25/11/2023 सूर्य 26/03/2024 चंद्र 25/07/2024	मंगल 26/07/2025 शुक्र 26/07/2026 बुध 26/07/2027	मंगल 26/07/2029 शनि 26/07/2031 शुक्र 26/07/2033	चंद्र 26/03/2034 मंगल 25/11/2034 गुरु 26/07/2035	राहु 26/07/2037 बुध 26/07/2039 शनि 26/07/2041
राहु 6 वर्ष 26/07/2041 26/07/2047	केतु 3 वर्ष 26/07/2047 26/07/2050	गुरु 6 वर्ष 26/07/2050 25/07/2056	सूर्य 2 वर्ष 25/07/2056 26/07/2058	चंद्र 1 वर्ष 26/07/2058 26/07/2059
मंगल 26/07/2043 केतु 26/07/2045 राहु 26/07/2047	शनि 25/07/2048 राहु 26/07/2049 केतु 26/07/2050	केतु 25/07/2052 गुरु 26/07/2054 सूर्य 25/07/2056	सूर्य 26/03/2057 चंद्र 24/11/2057 मंगल 26/07/2058	गुरु 25/11/2058 सूर्य 26/03/2059 चंद्र 26/07/2059
शुक्र 3 वर्ष 26/07/2059 26/07/2062	मंगल 6 वर्ष 26/07/2062 25/07/2068	बुध 2 वर्ष 25/07/2068 26/07/2070	शनि 6 वर्ष 26/07/2070 25/07/2076	राहु 6 वर्ष 25/07/2076 26/07/2082
मंगल 25/07/2060 शुक्र 26/07/2061 बुध 26/07/2062	मंगल 25/07/2064 शनि 26/07/2066 शुक्र 25/07/2068	चंद्र 26/03/2069 मंगल 24/11/2069 गुरु 26/07/2070	राहु 25/07/2072 बुध 26/07/2074 शनि 25/07/2076	मंगल 26/07/2078 केतु 25/07/2080 राहु 26/07/2082
केतु 3 वर्ष 26/07/2082 26/07/2085	गुरु 6 वर्ष 26/07/2085 26/07/2091	सूर्य 2 वर्ष 26/07/2091 26/07/2093	चंद्र 1 वर्ष 26/07/2093 26/07/2094	शुक्र 3 वर्ष 26/07/2094 26/07/2097
शनि 26/07/2083 राहु 25/07/2084 केतु 26/07/2085	केतु 26/07/2087 गुरु 26/07/2089 सूर्य 26/07/2091	सूर्य 26/03/2092 चंद्र 24/11/2092 मंगल 26/07/2093	गुरु 24/11/2093 सूर्य 26/03/2094 चंद्र 26/07/2094	मंगल 26/07/2095 शुक्र 25/07/2096 बुध 26/07/2097
मंगल 6 वर्ष 26/07/2097 27/07/2103	बुध 2 वर्ष 27/07/2103 27/07/2105	बुध 2 वर्ष 27/07/2103 27/07/2105	बुध 2 वर्ष 27/07/2103 27/07/2105	बुध 2 वर्ष 27/07/2103 27/07/2105
मंगल 26/07/2099 शनि 27/07/2101 शुक्र 27/07/2103	चंद्र 27/03/2104 मंगल 25/11/2104 गुरु 27/07/2105	चंद्र 27/03/2104 मंगल 25/11/2104 गुरु 27/07/2105	चंद्र 27/03/2104 मंगल 25/11/2104 गुरु 27/07/2105	चंद्र 27/03/2104 मंगल 25/11/2104 गुरु 27/07/2105

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6वें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा है अतः मुश्किल या कष्ट के समय जब उसकी राह अवरुद्ध हो जाता है उस समय देवी सहायता या ईश्वर अपने हाथों से आपकी सहायता करते हैं।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी कस्तुरी का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पितृऋण से मुक्त है।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-छगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।

PANDIT DEVPRAKASH SHARMA

VPO CHEOG, SHIMLA HIMACHAL PRADESH 171209

9459311375

devprakash776@gmail.com